



**CLASS: II**

**SUBJECT : (HINDI)**

**CHAPTER NUMBER: पाठ- 13**

**TOPIC : सूरज**

**SUB TOPIC: प्रस्तावना पाठ विश्लेषण तथा  
कठिन शब्द**

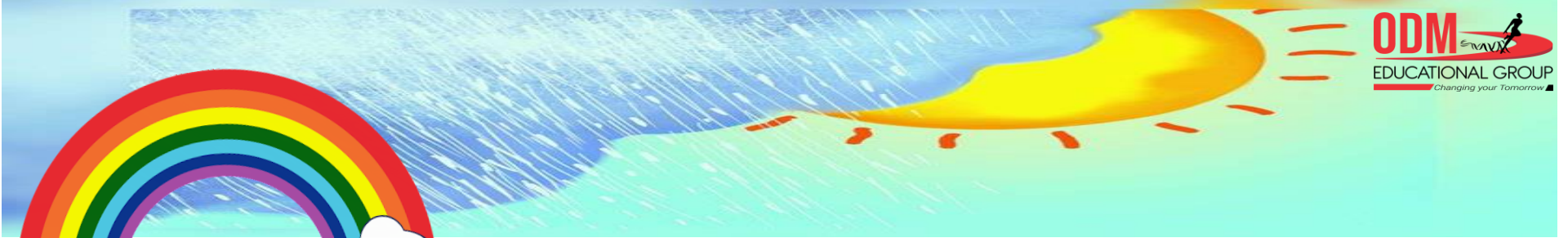
**CHANGING YOUR TOMORROW**





# गर्मी का मौसम





वर्षा-ऋतु







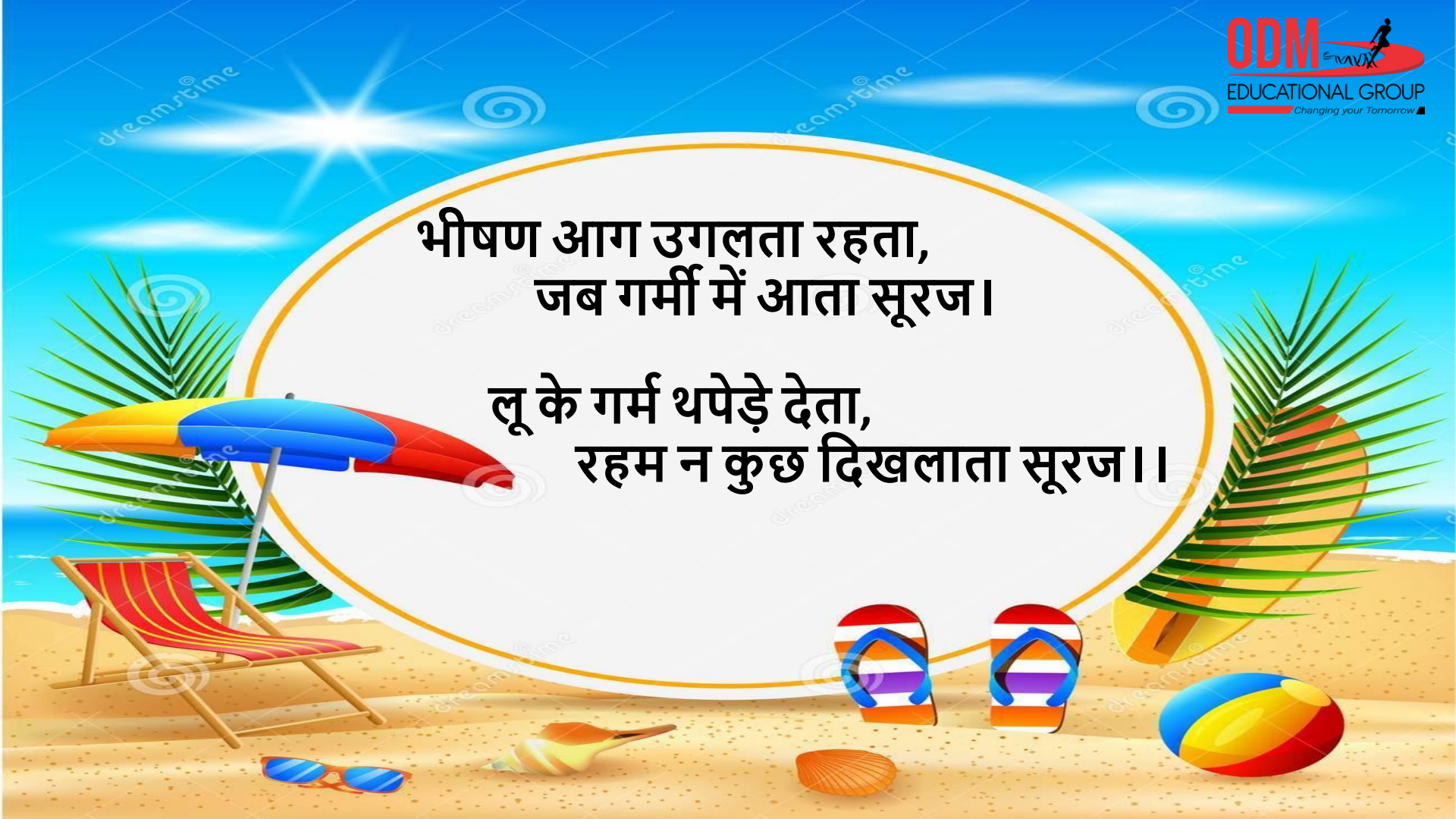
# पाठ- 13 सूरज

आसमान से प्रातः आकार ,  
हमको नित्य जगाता सूरज।

कभी न यह पथ पर है रुकता,  
आगे बढ़ता जाता सूरज।।

भीषण आग उगलता रहता,  
जब गर्मी में आता सूरज।

लू के गर्म थपेड़े देता,  
रहम न कुछ दिखलाता सूरज।।





वर्षा में चुपके से आकर  
इंद्रधनुष है लाता सूरज।  
लुका छिपी बादल से करता,  
रूप अनेक दिखाता सूरज।।

लेकिन जब सरदी में आता  
सब को खुश कर जाता सूरज ।।

पर होता दुख मन में भारी,  
जब जल्दी छिप जाता सूरज ।।



बारी बारी से छः ऋतुएँ  
इस धरती पर लाता सूरज।

सुख-दुख रहते साथ बराबर  
हरदम यही बताता सूरज।।



# कठिन शब्द तथा उनके अर्थ

|        |   |                                                               |
|--------|---|---------------------------------------------------------------|
| प्रातः | → | भोर                                                           |
| नित्य  | → | सदा                                                           |
| पथ     | → | राह मार्ग                                                     |
| भीषण   | → | भयंकर                                                         |
| थपेड़े | → | आघात                                                          |
| वर्षा  | → | बारिश                                                         |
| खुश    | → | प्रसन्न                                                       |
| जल्दी  | → | तेज़ी से या शीघ्र                                             |
| ऋतुएँ  | → | प्राकृतिक अवस्था के अनुसार<br>वातावरण में होने वाला परिवर्तन। |



**गृह कार्य**

**कठिन शब्दों को तीन-तीन  
बार कॉपी में अभ्यास करें**

# सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी पाठ का सस्वर वाचन करना सीखें, साथ ही पाठ संबंधित ज्ञान प्राप्त किए। इससे उनकी भाषाई क्षमता विकसित हुई और सूरज से संबंधित ज्ञान अर्जन किए।

**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**